Cambridge International Examinations
Cambridge International General Certificate of Secondary Education

CANDIDATE NAME					
CENTRE NUMBER					
CANDIDATE NUMBER					

HINDI AS A SECOND LANGUAGE **0549/01**

Paper 1 Reading and Writing **October/November 2016**

2 hours

Candidates answer on the Question Paper.

No Additional Materials are required.

READ THESE INSTRUCTIONS FIRST

Write your Centre number, candidate number and name on all the work you hand in.
Write in dark blue or black pen.
Do not use staples, paper clips, glue or correction fluid.
DO **NOT** WRITE IN ANY BARCODES.

Answer **all** questions.

The number of marks is given in brackets [ ] at the end of each question or part question.

The syllabus is approved for use in England, Wales and Northern Ireland as a Cambridge International Level 1/Level 2 Certificate.

This document consists of **13** printed pages and **3** blank pages.

DC (NH/LEG) 120161/3
© UCLES 2016

https://xtremepape.rs/

खंड 1

अभ्यास 1 प्रश्न 1–5

'मोबाइल से दूर रहने के लिए कैंप' पर निम्नलिखित आलेख पढ़िए तथा दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

दुनिया इंटरनेट के सूत्र में बंध चुकी है। यहां तक कि जहाँ इंटरनेट या फोन उपलब्ध नहीं होता वहाँ लोग इसके बिना अधूरा महसूस करते हैं। ख़ासतौर से छुट्टियों के दौरान यदि आप ऐसे स्थानों पर जाते हैं जहाँ तकनीकी उपकरण उपलब्ध नहीं होते तो उनकी अनुपस्थिति महसूस होती है। इंटरनेट का नशा एक बड़ा मुद्दा बन चुका है। अपने चारों ओर आपको ऐसे संकेत मिलेंगे जैसे कि एक बेचैन सहकर्मी, जिसे लगातार ट्वीट करने की आदत है, या फिर फेसबुक पर लगातार सामग्री पढ़ते और जोड़ते लोग। कभी कभी यह भी होता है कि दोपहर में जब आप इंटरनेट देखने बैठे, तब से समय ऐसा बीता कि अंधेरा घिर आया और अभी तक आपका काफ़ी काम बाकी पड़ा है। कई बार ज़रूरी काम के समय व्यर्थ की जानकारी पढ़ने के कारण भी देर तक काम करना पड़ जाता है।

अमेरिकी शहर सैन फ्रांसिस्को के बाहर स्थित जंगलों में एक विशेष शिविर लगाया गया है। ख़ास बात यह है कि इस शिविर का मक़सद मौज-मस्ती नहीं, बल्कि युवाओं को तकनीक के जाल से बाहर निकालना है। इंटरनेट और मोबाइल की अधिकता ने कई लोगों को इतना परेशान कर दिया है कि वे ऐसे शिविरों में जाकर शांति की तलाश कर रहे हैं। इन शिविरों को नाम दिया गया है, 'डिजिटल डिटॉक्स' यानी इन शिविरों का उद्देश्य तकनीक के नशे से छुटकारा दिलाने का प्रयास है।

यह शिविर चार दिन का होता है। शिविर में पहुँचने पर सबसे पहले व्यक्ति से सारे इलेक्ट्रॉनिक उपकरण जैसे टैबलेट, मोबाइल फोन और लैपटॉप आदि ले लिए जाते हैं। इसके साथ ही यहां काम संबंधी बात करने, उम्र की चर्चा तथा शराब आदि मादक पदार्थों के विषय में बात करने की सख्त मनाही है। यहां तक कि शिविर में आए लोगों को उनके वास्तविक नाम से भी नहीं पुकारा जाता ताकि वे अपने पारिवारिक एवं सामाजिक परिवेश से दूर रह कर प्रकृति से पूरी तरह से जुड़ सकें। उनका ध्यान तकनीकी उपकरणों से दूर रखने के अलावा उन्हें सामान्य ग्रीष्मकालीन शिविर जैसी मौज़-मस्ती की सुविधाएं भी प्रदान की जाती हैं जैसे तीरंदाजी, खेलकूद, संगीत आदि।

इस कैंप को चलाने वाले मिशेल स्मिथ के मुताबिक तकनीकी कंपनी के कर्मचारियों के अलावा अब कॉलेजों के छात्र भी यहां पहुंच रहे हैं। इस शिविर में हिस्सा लेने वाले लोगों का कहना है कि इस अनुभव के बाद वे अपना फोन कम इस्तेमाल करते हैं। वहीं कम्प्यूटर और इंटरनेट की लत भी कम हुई है। यह शिविर इतना मशहूर हुआ कि कई और जगहों पर इस तरह के शिविर लगने लगे हैं।

© UCLES 2016

https://xtremepape.rs/

1 अवकाश के दौरान किस चीज़ की कमी खलती है?

....[1]

2 काम के दौरान इंटरनेट देखने का क्या ख़तरा होता है?

....[1]

3 लोग इन शिविरों में किस की खोज में जाते हैं?

....[1]

4 लोगों को शिविर में उनके नाम से क्यों नहीं पुकारा जाता?

....[1]

5 इस शिविर में किस तरह के लोग आते हैं?

(i) ....[1]

(ii) ....[1]

[अंक:6]

https://xtremepape.rs/

अभ्यास 2 प्रश्न 6

ओलम्पिक कुश्ती विजेताओं से जानें उनकी सफलता का रहस्य।

कुश्ती कार्यशाला

खेल गांव, नेहरू स्टेडियम, नई दिल्ली।

दूरभाष 00-91-1125277489, 00-91-1127535728

प्रदेश के स्कूली बच्चों में कुश्ती के प्रति रूझान पैदा करने के उद्देश्य से भारतीय ओलम्पिक संघ द्वारा ओलम्पिक विजेताओं को कार्यशाला में अपने अनुभव बाँटने के लिए बुलाया गया है। आप अपने मनचाहे कुश्ती खिलाड़ी से न सिर्फ़ मिल सकते हैं बल्कि उनके बहुमूल्य अनुभवों से लाभ भी उठा सकते हैं। कृपया इस कार्यशाला में शामिल होने के लिए आवेदन करें।

दिल्ली सरकार द्वारा स्कूली बच्चों में कुश्ती जैसे खेल के प्रति जागरूकता पैदा करने के लिए इस कार्यशाला को आयोजित किया जा रहा है। यह कार्यशाला एक हफ्ते के लिए आयोजित की जा रही है। इस कार्यशाला के विभिन्न सत्रों में स्कूली छात्रों को कुश्ती के खेल के विभिन्न पक्षों पर जानकारी दी जाएगी। साथ ही कई नामी राष्ट्रीय स्तर के पहलवानों के विचार सुनने का अवसर भी मिलेगा। यह कार्यशाला पूर्णतः निःशुल्क है। यह पूरा आयोजन दिल्ली सरकार द्वारा किया जा रहा है।

रविकांत की उम्र 15 वर्ष है। उसे खेलकूद की प्रतियोगिताएं देखना बहुत पसंद है। उसे कुश्ती के बारे में कम जानकारी है लेकिन वह इस खेल की बारीकियों को जानना चाहता है। साथ ही वह स्कूल के स्तर पर कुश्ती को बढ़ावा देना चाहता है। अपने स्कूल में खिलाड़ियों के बीच कुश्ती के बारे में जानकारी बढ़ाने के उद्देश्य से वह इस कार्यशाला में जाना चाहता है। वह रोज़ाना स्कूल जाता है। उसका स्कूल 2 बजे समाप्त होता है। लिहाज़ा, सप्ताह के दौरान वह कार्यशाला में नहीं जाना चाहता। सप्ताहांत में वह सुबह संगीत सीखने जाता है इसलिए दोपहर का समय सर्वाधिक उचित है। वह नई दिल्ली शहर के सरोजनी नगर इलाके में 235 आराम बाग, में रहता है। उसका ई-मेल है rk5@hotmail.com और उसका टेलिफोन न. 29636387 है।

© UCLES 2016

https://xtremepape.rs/

आप अपने को रविकांत मानकर नीचे दिए गए आवेदन पत्र को भरिए।

कुश्ती कार्यशाला

खेल गांव, नेहरू स्टेडियम, नई दिल्ली।

दूरभाष 00-91-1125277489, 00-91-1127535728

आवेदक का नाम....रविकांत.....

(सही का निशान लगाएं) आयु 14–15 ☐ 16–17 ☐ 18–19 ☐

ईमेल - ....

पूरा पता - ....

....

....

निम्नलिखित विकल्पों के माध्यम से बताइए कि आप कब उपलब्ध हैं। [कोष्ठक में सही का निशान लगाएं]

☐ सप्ताह के दौरान।

☐ सप्ताहांत में।

निम्नलिखित अवधियों में से उचित अवधि चुनें। [कोष्ठक में सही का निशान लगाएं]

☐ सुबह 9 बजे से दोपहर 12 बजे तक

☐ दोपहर 2 बजे से शाम 4 बजे तक

आप क्यों इस कार्यशाला में शामिल होना चाहते हैं? किन्हीं दो कारणों के बारे में बताइए

....

....

....

[अंक: 7]

https://xtremepape.rs/

अभ्यास 3 प्रश्न 7–9

'बच्चों को सेहतमंद जीवन शैली के प्रति सजग बनाएं' शीर्षक से निम्नलिखित लेख पढ़िए।

बाल्यावस्था के दिन मौज-मस्ती और नटखटपन के होते हैं। हालांकि इसी अवस्था में शरीर का सही विकास भी होता है। इसलिए इस उम्र में बच्चों के संतुलित खानपान पर समुचित ध्यान देना चाहिए। यह माता-पिता और अभिभावकों का दायित्व है कि वे अपने बच्चों में सेहत के प्रति सजगता की आदत बचपन से ही डालें। बाल्यावस्था में बच्चों में मोटापा, वजन कम होना, एनीमिया और दांतों संबंधी समस्याएं पैदा होती हैं। कुछ बच्चों में सामाजिक बर्ताव सीखने संबंधी समस्याएं भी पैदा होती हैं। ऐसे बच्चों में क्रोध, चिड़चिड़ापन या अपनी उम्र के बच्चों के साथ खेलने और घुलने-मिलने में दिक्कत होती है।

बदलते दौर में माता-पिता के साथ बच्चे भी सामाजिक समारोहों में बढ़-चढ़कर हिस्सा लेते हैं। जैसे कि, बर्थ-डे पार्टी में शामिल होना, सिनेमा जाना, शॉपिंग मॉल आदि जगहों पर खाना। इन स्थानों पर खाने-पीने की जो वस्तुएं मिलती हैं, उनमें से अधिकतर स्वास्थ्यप्रद नहीं होतीं। ऐसे स्थानों पर बच्चों को एक बेहतर विकल्प चुनने की राय देनी चाहिए।

सुबह का नाश्ता करने के लिए बच्चों को अवश्य प्रोत्साहित करें। ज्यादातर बच्चे स्कूल जाने से पहले अच्छी तरह नाश्ता नहीं करते। चिकित्सकों का कहना है कि बच्चों को पौष्टिक नाश्ता करवाकर ही स्कूल भेजें। बच्चों को दिन में तीन मुख्य आहार और दो से तीन बार अल्पाहार ज़रूर देने चाहिए। अल्पाहार का सबसे अच्छा विकल्प फल और मेवा है।

ज़्यादातर स्कूल की कैंटीन में खानपान की स्वास्थ्यवर्धक वस्तुएं उपलब्ध नहीं होतीं। यहां अधिकत्तर समोसा, चाऊमिन और बर्गर आदि जैसी चीज़ें ही होती हैं। ये वस्तुएं कभी-कभी खायीं जाएं तो ही ठीक रहता है। प्रतिदिन ऐसी वस्तुएं खाना बच्चों की सेहत के लिए सही नहीं रहता है। यही कारण है कि बच्चों में मोटापे की समस्या बढ़ रही है।

बच्चों में खानपान से संबंधित अच्छी आदतें डालकर उन्हें मोटापे से बचाया जा सकता है। इसके लिए आधारभूत नियम हैं कि उन्हें शक्कर युक्त खाद्य पदार्थों से दूर रखें और उनके आहार में सब्जियां व फलों की मात्रा बढ़ाएं। बच्चों को यह भी समझाना चाहिए कि उसे मिठाइयों व ऐसे पेय पदार्थों से दूर रहना चाहिए, जिनमें शक्कर ज्यादा रहती है। बच्चों को फल व सब्जियां खाने के लिए प्रेरित करना चाहिए। यदि पहले से ही बच्चा मोटा है तो उसे शारीरिक गतिविधियों में भाग लेने के लिए प्रेरित करना चाहिए।

https://xtremepape.rs/

अभ्यास 3 प्रश्न 7–9

आपके स्कूल में एक भाषण प्रतियोगिता आयोजित की जा रही है। प्रतियोगिता का विषय है ‘बच्चों को सेहतमंद जीवन शैली के प्रति सजग बनाएं’ इस लेख में से नीचे दिए गए प्रत्येक शीर्षक के अंतर्गत नोट लिखें जिसपर आपका भाषण आधारित होगा।

7 असंतुलित भोजन से बच्चों की व्यवहार संबंधी समस्याएं।

- .... [1]
- .... [1]

8 संतुलित भोजन के बारे में विशेषज्ञों की राय है।

- .... [1]
- .... [1]
- .... [1]

9 मोटापे से बचने के लिए विशेष बातें।

- .... [1]
- .... [1]

[अंक:7]

© UCLES 2016

https://xtremepape.rs/

अभ्यास 4 प्रश्न –10

निम्नलिखित आलेख का सारांश लिखिए। आलेख 'नौजवानों के देश में बुज़ुर्ग हाशिए पर' के आधार पर बताएं कि क्यों यह परिस्थितियाँ पैदा हुई हैं? आलेख के आधार पर उन मुख्य बिन्दुओं का समावेश अपने शब्दों में करें।

आपका सारांश 100 शब्दों से अधिक नहीं होना चाहिए।

संगत बिन्दुओं के समावेश के लिए 6 अंक और भाषिक अभिव्यक्ति के लिए 4 अंक निर्धारित हैं। पाठांश से वाक्य उतारना उचित नहीं है।

ताज़ा समाजशास्त्रीय रिपोर्ट के अनुसार भारत में बुज़ुर्ग धीरे-धीरे हाशिए पर खिसक रहे हैं। घर की चारदीवारी में भी अब वे बेहद असुरक्षित हैं। उन्हें अपने घर में भी शारीरिक-मानसिक प्रताड़ना का शिकार होना पड़ रहा है। इस रिपोर्ट में 48 फीसदी पुरुष और 42 फीसदी महिलाओं ने माना कि उन्हें उनके अपने परिजनों द्वारा ही प्रताड़ित किया जाता है। यानी अपने माता-पिता और दादा-दादी के साथ ऐसा व्यवहार करने वाले घर के ही सदस्य, ख़ासतौर पर अपनी ही संतानें हैं।

इस समय 60 वर्ष से अधिक उम्र के लोगों की भारत में संख्या 10 करोड़ के आस-पास है। अनुमान है कि 2026 तक भारत में बुज़ुर्गों की संख्या 17 करोड़ पहुंच जाएगी। हमारे समाजशास्त्रीय अध्ययन बताते हैं कि देश में जैसे-जैसे औद्योगिक विकास तेजी से हुआ, उसी के अनुपात में यहां सामाजिक विस्थापन की प्रक्रिया भी तेज़ हुई है। देश में गांवों की तुलना में नगरों का विकास अधिक होने से लोगों का ध्यान खेती से हटकर नगरों में मिलने वाली नक़द मजदूरी पर केंद्रित होने के कारण गांव से शहर की ओर पलायन तेज़ हुआ है। इसका सबसे अधिक प्रभाव संयुक्त परिवार पर पड़ा है।

दरअसल, संयुक्त परिवार के विघटन की प्रक्रिया तेज होने से वृद्ध हाशिये पर चले गए। परिवार में उन बुज़ुर्गों की दशा तो और भी ख़राब हो गई है, जो केवल खेती पर निर्भर रहे हैं। आज एकल परिवार एक कदम और आगे जाकर व्यक्ति-केंद्रित सामाजिक इकाई बन रहे हैं, जिस कारण बुज़ुर्गों की उपयोगिता उनमें और भी कम हो रही है। अभिभावक और वरिष्ठ नागरिक कानून 2007 के अनुसार, वरिष्ठ नागरिकों की देखभाल का जिम्मा परिवार के सदस्यों को दिया गया है। इस कानून में राज्य सरकार को हर जनपद में 'वृद्ध आश्रम' खोलने का भी निर्देश है। लेकिन हकीक़त में इसमें से कुछ भी लागू होता नहीं दिखता।

अमेरिका, कनाडा, यूरोप और एशिया के कई देशों की सरकारें वरिष्ठ नागरिकों की सुविधाओं का ख़ास ध्यान रख रही हैं। यूरोप में तो स्थिति यह है कि वहां यदि कोई बुज़ुर्ग घर में देर तक सोता रह जाता है, तो वहां एक विशेष दस्ता उनको ढूंढने निकल पड़ता है। पर ऐसी व्यवस्थाएं अभी हमारी प्राथमिकता में नहीं हैं। और तो और, देश में पर्याप्त वृद्धाश्रम भी नहीं हैं।

© UCLES 2016

https://xtremepape.rs/

'नौजवानों के देश में बुज़ुर्ग हाशिए पर'

.... [अंक: 10]

https://xtremepape.rs/

खंड 2

अभ्यास 5 प्रश्न 11–17

निम्नलिखित आलेख को ध्यानपूर्वक पढ़िए और पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

पति-पत्नी का एक दूसरे पर शक करना, मां-बाप का बच्चों पर शक करना, मालिक का अपने कर्मचारियों पर शक करना। इस शक ने जन्म दिया जासूसी उद्‍योग को और इनसे पैसा कमाने का मौक़ा मिला जासूसों को। शक का दायरा जैसे-जैसे बढ़ने लगा इन जासूसों की दुनिया भी फलने फूलने लगी। इसीलिए ये कहने में कोई 'शक' नहीं है कि 'शक' ख़ुद एक उद्‍योग है। जासूस की कल्पना करते ही दिमाग़ में फिल्मी दुनिया और जासूसी उपन्यासों के चरित्र आंखों के सामने घूमने लगते हैं। 'करमचंद' और 'जेम्स बांड' जैसे काल्पनिक पात्र। लेकिन असल ज़िंदगी के जासूस इनसे बिल्कुल अलग होते हैं।

मुंबई के रहने वाले रमेश को मिठाई के लालच ने जासूस बना दिया। कॉलेज में इनके एक दोस्त ने अपने एक दोस्त के बारे में जासूसी का काम दिया। ये काम इन्होंने बख़ूबी किया। इन्हें अपनी इस पहली जासूसी का इनाम मिला एक मिठाई का डिब्बा और तभी से रमेश को लग गया जासूसी का चस्का। वैसे इनके पास इंजीनियरिंग की डिग्री भी है लेकिन लोगों की ज़िंदगी में चुपके-चुपके झांकने का ऐसा भूत सवार हुआ कि ये 14 साल से जासूसी का धंधा ही कर रहे हैं।

उन्होंने बताया, "पति-पत्नी का एक दूसरे पर शक करना। इस तरह के मामले सबसे ज़्यादा आम हैं। मेरे पास ऐसे कई घरेलू मामले लगातार आते हैं।" शक की बुनियाद पर चल रहे जासूसी के काम से जुड़ी संजना लोगों की नज़रों में तो एक गृहिणी हैं पर वह एक जासूस भी हैं। पिछले आठ सालों से संजना चोरी छुपे जासूसी के कई मामले लेती हैं। संजना का मानना है कि, "शक एक उद्योग नहीं है बल्कि असुरक्षा की भावना ही एक उद्योग है। इसी से शक जन्म लेता है।"

लोग अपने शक को दूर करने या यूं कहें कि शक को यक़ीन में बदलने के लिए अपनी जेबें ढीली करने को तैयार रहते हैं। कई सालों से जासूसी का काम कर रही मीरा बताती हैं, "हमारी फ़ीस प्रतिदिन के हिसाब से होती है और काम के हिसाब से भी फ़ीस बदलती रहती है। जैसे किसी का पीछा करने के लिए बस, ट्रेन या टैक्सी में जाना है तो पैसा भी उसी हिसाब से लेते हैं।"

ये जासूस अपने काम में अत्याधुनिक तकनीक का भी इस्तेमाल करने लगे हैं। रमेश बताते हैं कि वो एक विशेष सॉफ़्टवेयर की मदद भी लेते हैं जिसकी जासूसी की जा रही है उसे किसके फ़ोन आ रहे हैं, आदि के बारे में जानकारी देता है। रमेश ने कहा कि वह हर मामले के लिए 30 से 35 हज़ार रुपए तक लेते हैं। उन्होंने यह भी बताया कि एक वक़्त था जब उनके पास पैसों की ज़बरदस्त तंगी थी, तब उनकी पत्नी ने घर चलाया लेकिन अब जासूसी के काम ने उन्हें भरपूर पैसा दिया और वह अपनी आर्थिक स्थिति से बड़े ख़ुश हैं।

https://xtremepape.rs/

कृपया प्रश्न 11 से 14 तक के उत्तर सही या ग़लत के कोष्ठक में ✓ का निशान लगाकर दीजिए। यदि वाक्य ग़लत है तो उसे पाठांश के आधार पर ठीक कीजिए।

	सही	ग़लत
उदाहरण – शक ने जन्म दिया जासूसी को और इससे पैसा कमाने का मौका मिला लोगों को।	☐	✓
औचित्य – शक ने जन्म दिया जासूसी को और इससे पैसा कमाने का मौका मिला जासूसों को।		
11 जासूस की कल्पना करते ही करमचंद और जेम्स बॉण्ड जैसे असली पात्र आँखों के सामने घूमने लगते हैं।	☐	☐
....		
12 रमेश को पहली जासूसी का इनाम मिला मिठाई का डिब्बा।	☐	☐
....		
13 रमेश के अनुसार मालिक का अपने कर्मचारियों पर शक करने के मामले सबसे ज़्यादा आते हैं।	☐	☐
....		
14 शक एक उद्योग नहीं है बल्कि सुरक्षा की भावना का एक उद्योग है।	☐	☐
....		

अब निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

15 जासूसी मामलों की फ़ीस कैसे निश्चित की जाती है?

....

16 सॉफ्टवेयर से क्या काम लिया जा सकता है?

....

17 रमेश की पत्नी ने कब और कैसे रमेश को सहारा दिया?

....

[अंक: 10]

https://xtremepape.rs/

अभ्यास 6 प्रश्न 18

प्रेरणादायक व्यक्तित्व?

हाल ही में आपकी स्कूल पत्रिका द्वारा प्रेरणादायक व्यक्तित्व पर केन्द्रित लेख मंगाए गए हैं। आप अपने प्रेरणादायक व्यक्तित्व को ध्यान में रखते हुए स्कूल पत्रिका के लिए लेख लिखें। उन पहलुओं को भी जोड़िए और बताइए कि क्यों और कैसे उन्होंने आपके जीवन को प्रभावित किया? आपका विवरण विषय से संबंधित जानकारी पर केन्द्रित होना चाहिए।

आपका विवरण 150 से 200 शब्दों से अधिक नहीं होनी चाहिए।

लिखित विवरण पर अंतर्वस्तु के लिए 10 अंक और सटीक भाषा के लिए भी 10 अंक निर्धारित हैं।

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

© UCLES 2016

https://xtremepape.rs/

[अंक: 20]

https://xtremepape.rs/

BLANK PAGE

© UCLES 2016

https://xtremepape.rs/

BLANK PAGE

© UCLES 2016

https://xtremepape.rs/

BLANK PAGE

Permission to reproduce items where third-party owned material protected by copyright is included has been sought and cleared where possible. Every reasonable effort has been made by the publisher (UCLES) to trace copyright holders, but if any items requiring clearance have unwittingly been included, the publisher will be pleased to make amends at the earliest possible opportunity.

To avoid the issue of disclosure of answer-related information to candidates, all copyright acknowledgements are reproduced online in the Cambridge International Examinations Copyright Acknowledgements Booklet. This is produced for each series of examinations and is freely available to download at www.cie.org.uk after the live examination series.

Cambridge International Examinations is part of the Cambridge Assessment Group. Cambridge Assessment is the brand name of University of Cambridge Local Examinations Syndicate (UCLES), which is itself a department of the University of Cambridge.

https://xtremepape.rs/